DAY — 02 SEAT NUMBER | | | | | | |

2021	IX	18	1030	J-502	(H)

HINDI (04)

Time : 3 Hrs. (12 Pages) Max. Marks : 80

कृतिपत्रिका

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :

(१) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए।

(३) आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।

(४) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

विभाग -१. गद्य (अंक-२०)

कृति १ (अ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **(६)**

ऊपर की घटना को बारह बरस बीत गए। जगत में बहुत-से परिवर्तन हो गए। कई बस्तियाँ उजड़ गईं। कई वन बस गए। बूढ़े मर गए। जो जवान थे; उनके बाल सफेद हो गए।

अब बैजू बावरा जवान था और राग विद्या में दिन-ब-दिन आगे बढ़ रहा था। उसके स्वर में जादू था और तान में एक आश्चर्यमयी मोहिनी थी। गाता था तो पत्थर तक पिघल जाते थे और पशु-पंछी तक मुग्ध हो जाते थे। लोग सुनते थे और झूमते थे तथा वाह-वाह करते थे। हवा रुक जाती थी। एक समाँ बँध जाता था।

एक दिन गुरु हरिदास ने हँसकर कहा- ''वत्स! मेरे पास जो कुछ था, वह मैंने तुझे दे डाला। अब तू पूर्ण गंधर्व हो गया है। अब मेरे पास और कुछ नहीं, जो तुझे दूँ।''

बैजू हाथ बाँधकर खड़ा हो गया। कृतज्ञता का भाव आँसुओं के रूप में बह निकला। चरणों पर सिर रखकर बोला-''महाराज! आपका उपकार जन्मभर सिर से न उतरेगा।''

हरिदास सिर हिलाकर बोले-''यह नहीं- बेटा! कुछ और कहो। मैं तुम्हारे मुँह से कुछ और सुनना चाहता हूँ।''

बैजू -''आज्ञा कीजिए।''

हरिदास -''तुम पहले प्रतिज्ञा करो।''

बैजू ने बिना सोच-विचार किए कह दिया -''मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि....''

हरिदास ने वाक्य को पूरा किया -''इस राग विद्या से किसी को हानि न पहुँचाऊँगा।''

बैजू का लहू सूख गया। उसके पैर लड़खड़ाने लगे। सफलता के बाग परे भागते हुए दिखाई दिए। बारह वर्ष की तपस्या पर एक क्षण में पानी फिर गया। प्रतिहिंसा की छुरी हाथ आई तो गुरु ने प्रतिज्ञा लेकर कुंद कर दी। बैजू ने होंठ काटे, दाँत पीसे और रक्त का घूँट पीकर रह गया। मगर गुरु के सामने उसके मुँह से एक शब्द भी न निकला। गुरु गुरु था, शिष्य शिष्य था। शिष्य गुरु से विवाद नहीं करता।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए: (२)

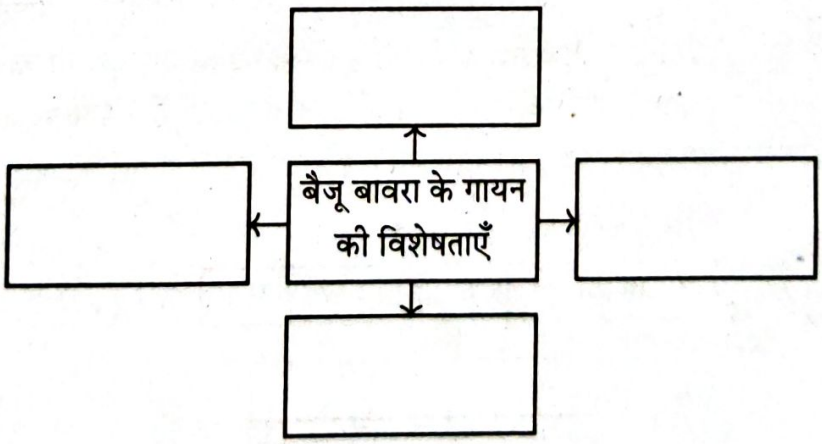

(२) (i) उपर्युक्त परिच्छेद से शब्द युग्म ढूँढ़कर लिखिए : (१)

(१) –

(२) –

(ii) निम्नलिखित शब्द समूह के लिए परिच्छेद में से एक शब्द ढूँढ़कर लिखिए: (१)

(१) किसी अभीष्ट सिद्धि के लिए किया जाने वाला कठोर व्रत — [ ]

(२) देवलोक में देवताओं के गायक — [ ]

(३) 'जीवन में गुरु का महत्त्व' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **(६)**

एक अच्छी सहेली के नाते तुम उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करो। अगर लगे कि वह अपने परिवार से कटी हुई है तो उसकी इस टूटी कड़ी को जोड़ने का प्रयास करो। जैसे तुम मुझे पत्र लिखती हो, उससे भी कहो; वह अपनी माँ को पत्र लिखे। अपने घर की, भाई-बहनों की बातों में रुचि लें। अपनी समस्याओं पर माँ से खुलकर बात करें और उनसे सलाह लें। यदि उसकी माँ इस योग्य न हो तो वह अपनी बड़ी बहन या भाभी से भी बातचीत का सिलसिला जोड़कर वह अपनी समस्या से अकेले जूझने से निजात पा सकती है। नहीं तो तुम तो हो ही। ऐसे समय वह तुम्हारी बात न सुने, तुम्हें झटक दे, तब भी उसकी वर्तमान मनोदशा देखकर तुम्हें उसकी बात का बुरा नहीं मानना है। उसका मूड देखकर उसका मन टटोलो और उसे प्यार से समझाओ।

एक शुभचिंतक सहेली के नाते ऐसे समय तुम्हें उसे इसलिए अकेला नहीं छोड़ देना है कि वह तुम्हारी बात नहीं सुनती या तुम्हारी बात का बुरा मानती है। तुम साथ छोड़ दोगी तो वह और टूट जाएगी। अकेली पड़कर वह उधर ही जाने के लिए कदम बढ़ा लेगी, जिधर जाने से तुम उसे रोकना चाहती हो। यहीं पर तुम्हारे धैर्य और संयम की परीक्षा है।

(१) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

सुगंधा की सहेली को यह करना चाहिए :

(i) → [ ]

(ii) → [ ]

(iii) → [ ]

(iv) → [ ]

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(i) कोशिश —

(ii) छुटकारा —

(iii) सखी —

(iv) प्रेम —

(३) 'भाई-बहन का रिश्ता अनूठा होता है' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए (कोई दो): **(६)**

(१) 'आदर्श बदला' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(२) 'पाप के चार हथियार' निबंध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(३) 'क्लोरो फ्लोरो कार्बन (सी.एफ.सी.) नामक यौगिक की खोज प्रशीतन के क्षेत्र में क्रांतिकारी उपलब्धि रही।' स्पष्ट कीजिए।

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो): **(२)**

(१) सुदर्शन जी का मूल नाम लिखिए।

(२) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी के निबंध संग्रहों के नाम लिखिए।

(३) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी की भाषाशैली।

(४) आशारानी व्होरा जी के लेखन कार्य का प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

विभाग -२. पद्य (अंक-२०)

कृति २ (अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **(६)**

तुमने विश्वास दिया है मुझको,
मन का उच्छ्वास दिया है मुझको।
मैं इसे भूमि पर सँभालूँगा,
तुमने आकाश दिया है मुझको।

सूत्र यह तोड़ नहीं सकते हैं,
तोड़कर जोड़ नहीं सकते हैं।
व्योम में जाएँ, कहीं भी उड़ जाएँ,
भूमि को छोड़ नहीं सकते हैं।

सत्य है, राह में अँधेरा है,
रोक देने के लिए घेरा है।
काम भी और तुम करोगे क्या,
बढ़ चलो, सामने अँधेरा है।

(१) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

(i) मुझको दिया है → [ ] , [ ]

(ii) यह तोड़ नहीं सकते हैं
यह छोड़ नहीं सकते हैं → [ ] , [ ]

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में आए हुए विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(i) अविश्वास — [ ]

(ii) जोड़ — [ ]

(iii) असत्य — [ ]

(iv) उजाला — [ ]

(३) 'आत्मविश्वास ही मनुष्य की सफलता की कुँजी है' इस कथन के बारे में अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **(६)**

जो पावै अति उच्च पद, ताको पतन निदान।
ज्यौं तपि-तपि मध्याह्न लौं, अस्त होतु है भान।।
जो जाको गुन जान ही, सो तिहि आदर देत।
कोकिल अंबहि लेत है, काग निबौरी लेत।।
आप अकारज आपनो, करत कुबुध के साथ।
पाय कुल्हाडी आपने, मारत मूरख हाथ।।

कुल कपूत जान्यो परै, लखि सुभ लच्छन गात।

होनहार बिरवान के, होत चीकने पात।।

(१) कारण लिखिए : (२)

(i) अविवेक के साथ किया गया कार्य स्वयं के लिए हानिकर सिद्ध होता है-

(ii) कोयल को आम और कौए को निबौरी मिलती है -

(२) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग लगाकर नया शब्द तैयार कीजिए : (२)

(i) पूत -

(ii) बुध -

(iii) कारज -

(iv) आदर -

(३) 'ज्ञान की पूँजी बढ़ानी चाहिए' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

(इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'पेड़ होने का अर्थ' कविता का रसास्वादन कीजिए : (६)

(१) रचनाकार का नाम (१)

(२) पसंद की पंक्तियाँ (१)

(३) पसंद आने के कारण (२)

(४) कविता का केंद्रीय भाव (२)

अथवा

'गुरुनिष्ठा और भक्तिभाव से ही मानव श्रेष्ठ बनता है' इस कथन के आधार पर 'गुरुबानी' कविता का रसास्वादन कीजिए।

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का केवल एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो) : (२)

(१) त्रिलोचन जी के कोई दो काव्य संग्रहों के नाम लिखिए।

(२) दोहा छंद की विशेषता बताइए।

(३) गुरुनानक जी की भाषाशैली की कोई एक विशेषता लिखिए।

(४) डॉ. मुकेश गौतम जी की किसी एक रचना का नाम लिखिए।

विभाग - ३. विशेष अध्ययन (अंक-१०)

कृति ३ (अ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

मैं इन्हें सुनकर कुछ भी नहीं पाती प्रिय,
सिर्फ राह में ठिठककर
तुम्हारे उन अधरों की कल्पना करती हूँ
जिनसे तुमने ये शब्द पहली बार कहे होंगे
मैं कल्पना करती हूँ कि
अर्जुन की जगह मैं हूँ
और मेरे मन में मोह उत्पन्न हो गया है
और मैं नहीं जानती कि युद्ध कौन-सा है
और मैं किसके पक्ष में हूँ
और समस्या क्या है
और लड़ाई किस बात की है
लेकिन मेरे मन में मोह उत्पन्न हो गया है

(१) आकृति पूर्ण कीजिए : (२)

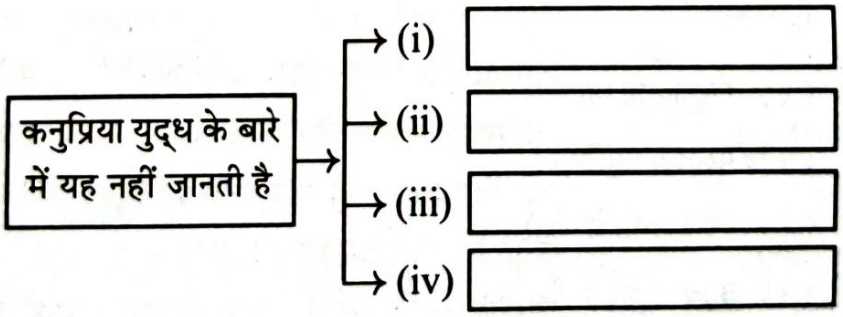

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(i) युद्ध →
(ii) प्यारा →
(iii) चित्त →
(iv) पथ →

(३) 'स्त्री-पुरुष समानता' के बारे में अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(१) कनुप्रिया के मन में मोह उत्पन्न होने के कारण लिखिए।

(२) राधा की दृष्टि से जीवन की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

विभाग -४. व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश और पारिभाषिक शब्दावली (अंक-२०)

कृति ४ (अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए : (६)

(१) नेता द्वारा किए गए चुनाव प्रचार के दौरान चुनावी वचनों पर फीचर लेखन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित संवाद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

रिदिम : सर, पल्लवन में क्या विचार के साथ-साथ भाषा विस्तार पर भी ध्यान देना होता है?

अध्यापक : हाँ, बिलकुल सही प्रश्न पूछा! मैं इस पर आ ही रहा था। वैसे भी भाषा का विस्तार करना एक कला है। इसके लिए भाषा के ज्ञान के अलावा विश्लेषण, संश्लेषण, तार्किक क्षमता के साथ-साथ अभिव्यक्तिगत कौशल की आवश्यकता होती है। इसमें भी आख्याता के प्रत्येक अंश को विषयवस्तु की गरिमा के अनुकूल विस्तारित करना होता है। भाव विस्तार को भी पल्लवन कहा जाता है।

तन्वी : सर जी, क्या पल्लवन में भाव विस्तार के साथ-साथ चिंतन भी होता है?

अध्यापक : अच्छा प्रश्न पूछा तुमने। पल्लवन में भाव विस्तार के साथ चिंतन का स्थान भी महत्त्वपूर्ण होता है। संसार में जितने महान चिंतक, साहित्यिक विचारक हैं; उनके गहन चिंतन के क्षणों में जिन विचारों और अनुभूतियों का जन्म होता है; उसमें सूत्रात्मकता आ जाती है। सरसरी दृष्टि से पढ़ने पर उसका सामान्य अर्थ ही समझ में आता है, किंतु उसके सम्यक अर्थबोध एवं अर्थ विस्तार को समझने के लिए हमें उसकी गहराई में उतरना पड़ता है! ज्यों-ज्यों हम उस

गंभीर भाववाले वाक्यखंड, वाक्य या वाक्य समूह में गोता लगाते हैं, त्यों-त्यों हम उसके मर्मस्पर्शी भावों को समझने लगते हैं। अर्थात् छोटे-छोटे वाक्यों या वाक्य खंडों में बंद विचारों को खोल देना, फैला देना, विस्तृत कर देना ही पल्लवन है।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

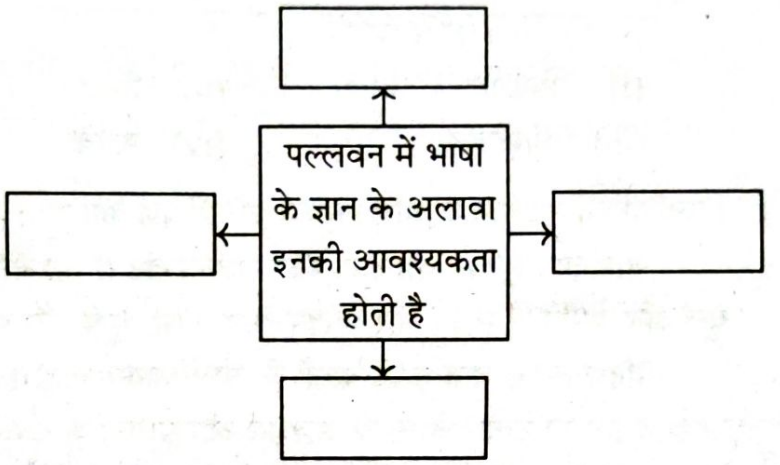

(२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : (२)

(i) अच्छा —

(ii) बच्चा —

(iii) कहानी—

(iv) कला —

(३) 'संघर्ष करनेवाला ही जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है।' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए। (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए : **(४)**

(१) सूत्र संचालन के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

(२) ब्लॉग लेखन से तात्पर्य लिखिए।

अथवा

सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :

(१) पल्लवन : विवेक, बुद्धि और ज्ञान मानव की ..... संपदा है। (१)

(i) शारीरिक (ii) सामाजिक

(iii) बौद्धिक (iv) आर्थिक

(२) स्नेहा ने..... के पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश लिया। (१)

(i) चित्रकारिता (ii) पत्रकारिता

(iii) संगणक (iv) अभिनय

(३) कार्यक्रम की सफलता ..... के हाथ में होती है। (१)

(i) सूत्र संचालक (ii) वक्ता

(iii) श्रोताओं (iv) दर्शकों

(४) आलेख (ब्लॉग) लेखन में इस बात का ध्यान रखना पड़ता है कि उसमें ..... भाषा का प्रयोग हो। (१)

(i) विख्यात (ii) क्लिष्ट

(iii) आक्रामक (iv) मानक

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

वार्तालाप सुनकर वह लेटा हुआ लड़का खट से उठ बैठा। उसका चेहरा धूल और पसीने से म्लान और मलिन हो गया था, भूख और प्यास से निर्जीव।

वह एकदम बात करने वालों के पास आकर खड़ा हुआ। हाथ जोड़े, माथा जमीन पर टेका। चेहरे पर आश्चर्य और प्रार्थना के दयनीय भाव! कहने लगा, ''हे विद्वानों! मैं मूर्ख हूँ । अनपढ़ देहाती हूँ। किंतु ज्ञान प्राप्ति की महत्वाकांक्षा रखता हूँ। हे महाभागों! आप विद्यार्थी प्रतीत होते हैं। मुझे विद्वान गुरु के घर की राह बताओ।''

पेड़-तले बैठे हुए दो बटुक विद्यार्थी उस देहाती को देखकर हँसने लगे। पूछा, ''कहाँ से आया है?''

''दक्षिण के एक देहात से। पढ़ने-लिखने से मैंने बैर किया तो विद्वान पिताजी ने घर से निकाल दिया। तब मैंने पक्का निश्चय कर लिया कि काशी जाकर विद्याध्ययन करूँगा। जंगल-जंगल घूमता, राह पूछता, मैं आज ही काशी पहुँचा। कृपा करके गुरु का दर्शन करवाइये।''

अब दोनों विद्यार्थी जोर-जोर से हँसने लगे। उनमें से एक जो विदूषक था, कहने लगा, ''देख बे, वो सामने सिंह द्वार है। उसमें घुस जा, तुझे गुरु मिल जायेगा।'' कहकर वह ठठाकर हँस पड़ा।

(१) निम्नलिखित कृति पूर्ण कीजिए : (२)

लड़का वार्तालाप करनेवालों के पास इस तरह खड़ा हुआ →	(i)
	(ii)
	(iii)
	(iv)

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए : (२)

(i) माताजी — (ii) विदुषी —

(iii) लड़की — (iv) विद्यार्थिनी —

(३) 'छात्र जीवन में अनुशासन का महत्त्व' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पारिभाषिक शब्दों के हिन्दी शब्द लिखिए : (४)

(१) Judge

(२) Bond

(३) Bye-law

(४) Pay order

(५) Record

(६) Speed

(७) Optic fibre

(८) Auxiliary memory

विभाग -५. व्याकरण (अंक-१०)

कृति ५ (अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए (कोई दो): (२)

(१) इसकी भी मौत आ गई।
(पूर्ण वर्तमानकाल)

(२) कौन मुझे कहानियाँ सुनाता है।
(सामान्य भविष्यकाल)

(३) उद्विग्नता और अधीरता से गानयुद्ध के समय की प्रतीक्षा की है।
(अपूर्ण भूतकाल)

(४) साँस लेने के लिए स्वच्छ हवा मिलना मुश्किल होता है।
(अपूर्ण वर्तमानकाल)

(आ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकारों के नाम पहचानकर लिखिए (कोई दो): (२)

(१) उधो, मेरा हृदयतल था एक उद्यान - न्यारा।
शोभा देतीं अमित उसमें कल्पना-क्यारियाँ भी।।

(२) मोती की लड़ियों से सुंदर, झरते हैं झाग भरे निर्झर।

(३) जान पड़ता है नेत्र देख बड़े-बड़े।
हीरकों में गोल नीलम हैं जड़े।।

(४) एक म्यान में दो तलवारें, कभी नहीं रह सकती हैं
किसी और पर प्रेम पति का, नारियाँ नहीं सह सकती हैं।।

(इ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उनके नाम लिखिए (कोई दो): (२)

(१) सुडुक, सुडुक घाव से पिल्लू (मवाद) निकाल रहा है,
नासिका से श्वेत पदार्थ निकाल रहा है।

(२) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं, नैननु ही सौं बात।।

(३) माला फेरत जुग भया, गया न मन का फेर।
कर का मनका डारि कैं, मन का मनका फेर।।

(४) बिनु-पग चलै, सुनै बिनु काना।
कर बिनु कर्म करै, विधि नाना।
आनन रहित सकल रस भोगी।
बिनु वाणी वक्ता, बड़ जोगी।।

(ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए (कोई दो): (२)

(१) आँखें बिछाना

(२) मुट्ठी गर्म करना

(३) उल्टी गंगा बहाना

(४) चाँदी काटना

(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो): (२)

(१) सत्य की मार्ग सरल हैं।

(२) वर्तमान युग विग्यान और प्राद्योगिकी का युग है।

(३) यह मानव स्वास्थ के लिए हानीकारक होती है।

(४) वह स्वरग का अमरित है।

◆◆◆